पिछले पांच साल से सब से ज्यादा टेलीफोन लाइन्स हम उत्तर प्रदेश में दे रहे हैं। इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज भी उत्तर प्रदेश में, अगर सही रूप में देखा जाए, तो काफी मात्रा में वहां दी गई है और खुशी की बात है बाराबंकी, जिस दिन में लखनऊ में था, वहां पर मुझे सी०जे०एम० ने बातया कि बाराबंकी के एक गांव से हमारे गांव के एक भाई ने हमारे पी०सी०ओ० से अपने बेटे से पेरिस में बात की। तो वह उनसे बिल मांगने लगा।

मैंने उनसे कहा कि पहला बिल मत दो बेचारे को, गांव से पेरिस में बात की है, एक खुशी की बात है, उसको बिल मत दो...(**व्यवधान**)

इतना सुधार हो रहा है और उत्तर प्रदेश के बारे में...(**व्यवधान**) तो इस तरह का सुधार हमारे रूरल एरियाज में हो रहा है।

अगर माननीय सदस्या यह महसूस करें कि यहां पर सुधार हो सकता है, तो मुझे बतायें मैं उस पर जरूर गौर कररुंगा...(**व्यवधान**)

श्रीमती सत्या बहिन: मेरा मतलब यह है कि पिछले दिनों लखनऊ से बात की थी, तो मालूम पड़ा था कि आगरा और इलाहाबाद जैसे बड़े शहरों में भी संसाधन की कमी की वजह मे टेलीफोन नहीं दिये जा रहे हैं। तो इस काम को दूर करने के लिए आप कुछ करेंगे या नहीं करेंगे? और अगर आप इस असंतुलन को दूर करने के लिए कुछ कर रहे हैं, तो मैं आपको धन्यवाद देती हूं।

श्री राजेश पायलट: सभापति जी, पूरा संसाधन है और मैं यह चाहूंगा कि जहां केंद्रीय सरकार के विभाग हैं, अगर हम संतुलित नहीं बनायेंगे, तो वह देश के लिए अच्छी बात नहीं हैं। केन्द्र सरकार होने के नाते हर विभाग का यह दायित्व है और फर्ज है कि पूरे देश में संतुलन बराबर बना रहे और हर प्रदेश में सरकार की नीतियां पूर्ण रूप से पहुंचे। उत्तर प्रदेश के बारे में जहां तक आगरा की बात कही गई है, वहां के टार्गेट भी मैं बता रहा हूं जो 31 मार्च तक हमने दिये हैं। वहां पर काफी कमी आई है। वह सूचना मैं माननीय सदस्या को अलग से दे दूंगा कि कितनी कमियां इन पिछले दो-तीन महीनों में हम लाये हैं।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: सदर मोहतरम, इंडियन टेलीमवासलात को इंटरनेशनल सतह का और खसूसी तौर पर जर्मनी के मुकाबले का बनाने के लिए कितना पैसा और वक्त दरकार होगा और इस सिफ्त में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है, मंत्री महोदय बताने की कृपा करें?

†مولانا عبید اللہ خان اعظمی (صدر محترم اطہر فیلی۔ مواصلات کو انٹرنیشنل سطح کا اور خصوصی طور پر جرمنی کے مقابلے کا بنانے کیلئے کتنا پیسہ اور وقت درکار ہوگا اور اس سمت میں حکومت کیا کارروائی کر رہی ہے، منتری مہودے بتانے کی کرپا کریں۔

श्री राजेश पायलट: सभापति जी, जहां तक टैक्नालोजी की बात है जिस तरीके से हमने ओपनिंग की है इस सैक्टर में, आज भी जी०एस०एम० की टैक्नालोजी वर्ल्ड में सब से बढ़िया है और बहुत से डिवैलप्ड कंट्रीज में भी वह नहीं है। हमने शुरूआत ही उससे की है, यह सोच कर की कोई फायदा नहीं कि हम आऊटडेटिड टैक्नालोजी लें और दो-चार साल में फिर दुबारा उसको अपडेट करें। अगर ईश्वर ने चाहा तो शायद जर्मनी से कहीं आगे पांच साल में हम होंगे रूरल एरियाज़ में भी और अर्बन एरियाज में भी। जर्मनी के जितने लेबर हमसे मिले हैं, हमारी रूरल टैक्नालोजी को उन्होंने भी एप्रिशिएट किया है और जहां-जहां मैं गांव में गया हूं, कहीं-कहीं लोग कहते हैं कि साहब कोई साधन काम करे न करे, यह टेलीफोन का डिब्बा जरूर काम करता है। जो हमारी सी-डाट की टैक्नालोजी है, कितनी ही रेत हो, कितना ही बुरा आसपास का रहने का वातावरण हो, फिर भी काम चल रहा है, लेकिन जैसी हालत में हम लोग काम कर रहे हैं, उनमें मुझे उम्मीद है कि अगले दो-तीन साल में काफी सुधार होगा और माननीय सदस्य खुश होंगे कि जर्मनी कहीं पीछे रह जाएगा।

Scarcity of Coal in Thermal Power Stations in the Capital

*444. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether due to scarcity of coal in the thermal power stations in the capital, some major power crisis are expected;

(b) if so, what arc the details thereof;

(c) whether the Central Government have since contemplated any concrete steps to make sufficient availability of coal to the thermal power stations in the capital; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

†Transliteration in Arabic Script.

Statement

(a) to (d) The power supply position in Delhi is by and large satisfactory. No major power crisis is envisaged due to the minor shortfalls in the coal supplies to the fhermal power stations in the Capital. The supply of adequate quantity and quality of coal to various thermal power stations in the country, including those in Delhi, is regularly reviewed by a high level Committee and necessary remedial action is taken by the concerned organisations.

SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Sir, the Minister's reply seems to be rather optimistic. My information is that Delhi, particularly some of the colonies and outskirts of Delhi, have been passing through periods of power shortages off and on for quite some time due to scarcity of coal. According to my enquiry, coal in yards is adequate for only a few days' consumption. Even the Badarpur Power Plant under the NTPC has been facing big shortage of coal. That apart, coal that is being supplied is of inferior quality necessitating the use of expensive oil for supply. There is enough coal on the pitheds. The shortage has been caused due to non-availability of wagons. Though the Minister appears to be optimistic, he has qualified his statement by saying that no major power crisis is envisaged. This implies that a minor crisis could not be ruled out. But in view of so optimistic a reply from the Minister, I would ask the Minister only one question and that is, has the Minister made a detailed enquiry and has he taken ample precautionary measures so that no major power crisis occurs in Delhi?

SHRI KALP NATH RAI: Sir, as the hon. Member has asked a question, I want to tell him that coal supply for Delhi has been guaranteed. Because of the agitation in Jharkhand, we have taken advance measures. You know, the power stations in Delhi are surviving because of the availability of coal. Raj Ghat and the other power stations have got coal supply. We have taken an advance action. We had a talk with the Railway Ministry and they assured us that they would provide the wagons so that we can get the supply. We have talked to the Home Ministry also. They have also given a guarantee to provide all the facilities that are needed. I may inform the hon. Member that there will be no shortage of coal in Delhi. Previously, our supply was from the North Karanpura, Bihar and Jharkhand. Now we have taken an advance action and we shall get coal supply from northern coal-fields of Singrauli near that area. Delhi is even connected with HVDC. We are getting power. We can get power direct from Singrauli to Delhi. We have now synchronised a gas-based power station at Badarpur. Therefor, there will be no shortage of power in Delhi and we do not expect and envisage any crisis in Delhi in the near future.

Participation of ITDC in International Tourism Borse, Berlin

*445. SHRI N.E. BALARAM: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that his Ministry and ITDC were participants in ITB, Berlin held in March, 1992;

(b) if so, how many executives of ITDC and his Ministry attended the above said get-to-ge ther, giving the details of their designation and areas of specilisation;

(c) whether any budget was sanctioned by Government in this regard; if so, the details thereof;

(d) whether it is also a fact that the executives of ITDC were selected just on a pick and choose basis rather than on their actual utility and merits; and

(e) if answer to part (d) above be in the negative, how does Government justify their selection?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the Sabha.